Hanuman Shikshan Prasarak Mandal, Sonpeth's

LATE RAMESH WARPUDKAR ARTS, COMMERCE & SCIENCE COLLEGE, SONPETH. DIST. PARBHANI 431516 (MS)

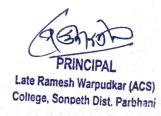
NAAC Accredited with Grade-B

(Affiliated to: Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded)
Ph. (02453) 240 142 Fax. (02453)240 142 Principal: 09423 779 000
Web: www.warpudkarcollege.com Email:lrwcsnpt@rediffmail.com./shreyavasant2010@gmail.com

Shri. P.R. Kadam President **Dr. V.D. Satpute**Principal

Departmental Activity Report

- Name of the Department: _sociology_____
- 1. Name of the Activity: -guest lecture series-----
- 2. Date: --13/4/23-----
- 3. Place & Time:-department of sociology, 1:40-----
- 4. Objectives of the Programme:--white research resource person of other colleges the guide and communicate with students, introduce students the burning issues of Indian society, to know the students that they are the citizens of our country and what is their responsibilities, to improve social responsibilities of students.
- 5. Guests/Resource Persons:-Dr Vijaymala rithak head of the department of sociology sant janabai arts commerce and science College gangakhed district Parbhani.
- 6. Abstract of the Programme: ---On April 13, 2023, as part of the lecture series organized by the Department of Sociology, Dr. Jai Mala Writer, Head of the Department of Sociology, Sant Janabai Arts, Commerce and Science College, Gangakhed, guided the students on the topic of Domestic Violence and Women and expressed his views on the Domestic Violence Act and its requirements. Whether educated or uneducated in rural areas or urban areas, whether women are earners or housewives, we always experience from the newspapers that women are victims of various forms of domestic violence, so unless women are seen as individuals, it is not possible to reduce violence against women. On the occasion, he expressed the need for women themselves to change their mental attitude, to treat women as partners, to prevent violence against women, and to resist injustice against them, and the doctor interacted with the students.
- 7. Total Beneficiaries: --25------
- 8. Achievements/ Outcomes: ---invite resource persons of other colleges and they discuss with students on burning issues of our society.





हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ सोनपेठ संचलित

कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ, जि. परभणी





शैक्षणिक वर्ष : २०२२-२३

| भाग - अ | A Marine Park Inc. of the State of Concession of | | | |
|--|--|--|--|--|
| उपक्रम / कार्यक्रम क्रमांक | | 99 | | |
| उपक्रम / कार्यक्रमाचे नाव | | अतिथी व्याख्यानमाला | | |
| दिनांक- | | 13-08-2022 13-04-2023 | | |
| उपक्रम / कार्यक्रमाचे स्वरूप | | ज्वलंत सामाजिक प्रश्नांवर चर्चा घडवून आणणे व विद्यार्थ्यांमध्ये सामाजिक उत्तरदायित्वाची जाणीव निर्माण करणे. | | |
| उद्देश | 8 | व्याख्यानमाले अंतर्गत बहिस्थ प्राध्यापकांना बोलून विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन करणे, संविदा द्वारे चर्चा घडवून आणणे | | |
| | 3 | भारतीय समाजातील प्रमुख सामाजिक समस्यां ची ओळख करून देणे | | |
| | 3 | देशाचा एक नागरिक म्हणून आपली कर्तव्य काय आहे त्याची जाणीव करून देणे | | |
| | 8 | विद्यार्थ्यांमध्ये सामाजिक भान निर्माण करणे | | |
| | G | | | |
| प्रमुख पाहुणे / मार्गदर्शक / व्याख्याते | | डॉ.डी व्हि.रायठक, समाजशास्त्र विभाग प्रमुख , संत जनाबाई कला वाणिज्य विज्ञान महाविद्यालय,गंगाखेड | | |
| उ द्घाटक | | | | |
| ठिकाण | | के रमेश वरपुकर महाविद्यालयातील सोनपेठ | | |
| उपस्थिती | विद्यार्थी | महाविद्यालयातील विद्यार्थी व समाजशास्त्र विषयाचे प्राध्यापक | | |
| | कर्मचारी | समाजशास्त्र विभागातील कर्मचारी | | |
| Late. Po | इतर | महाविद्यालयातील विद्यार्थी | | |
| एक्ण | | | | |

उपक्रम / कार्यक्रमाचे संक्षिप्त विवरण

13 एप्रिल 2023 रोजी समाजशास्त्र विभागाकडून व्याख्यानमाले अंतर्गत डॉ.डी व्हि.रायठक, समाजशास्त्र विभाग प्रमुख , संत जनाबाई कला वाणिज्य विज्ञान महाविद्यालय,गंगाखंड यांना आमंत्रित करून कौदुंबिक हिंसाचार आणि त्याची आवश्यकता महिला या विषयावर त्यांनी विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन करताना कौदुंबिक हिंसाचार कायदा आणि त्याची आवश्यकता मांडली. आज महिला ग्रामीण भागातील असो शहरातील असो शिक्षित असो अशिक्षित असो कमावती असो किंवा गृहिणी असो विविध स्वरूपाच्या कौदुंबिक अत्याचाराला महिला बळी पडत असल्याचा आपल्याला वर्तमानपत्रातृत्र नेत्यांनी येतो. त्यामुळे महिलेकडे जोपर्यंत महिलांकडे एक व्यक्ती महणून पाहिले जात नाही तोपर्यंत महिलांमधून होणाऱ्या अत्याचार हे कमी होणे शक्य नाही. यासाठी गरज आहे ती प्रत्येकाने आपला मार्नासिक इंग्टिकोन बदलण्याची. स्त्रीला सहचारिणी मानण्याची. महिलांवरील अत्याचार प्रतिबंधित करण्यासाठी स्वतः महिलांजी आपल्यावरील होणारा अन्याय सहन न करता त्याविरुद्ध प्रतिकार करण्याची आवश्यकता त्यांनी व्यक्त केली. तसेच भारतीय समाजातील महिलांची स्थिती आणि गती यावर मार्गदर्शन केले. या प्रसंगी डॉ. डी व्ही रायठक मंडमने विद्यार्थ्यांशी चर्चात्मक संवाद साधला.

उपक्रम / कार्यक्रमाची उपयुक्तता

विद्यार्थ्यांसाठी अतिथी व्याख्यानमानेट्वारे बहिस्थ प्राध्यापकांना आमंत्रित करून व्याख्यानसाठी त्यांना अवस्था विषय देउन मार्गदर्शन केले जाते व संवाद आणि वर्षा घडवून आणशी जाते.

| आग - क उपक्रम / कार्यक्रमाचे खर्चाचे विवरण | | | | | | |
|--|----------------------------|-------------------|-----------|--|--|--|
| | | | | | | |
| | शाल,श्रीफळ, हार | 300 | | | | |
| Carlo Rame & S | Sapneth Comparation (M.S.) | | | | | |
| एकूण ख | | | | | | |
| अहवाल सादर करणाऱ्या समिती / विभागः समाजशास्त्र | | | | | | |
| पद | नाव | | स्वाक्षरी | | | |
| समिती अध्यक्ष/ विभाग प्रमुख | | | | | | |
| समन्वयक | डॉ. टेंगसे सुनिता | डॉ. टेंगसे सुनिता | | | | |
| सदस्य | | | | | | |
| अहवाल सदर केल्याचा दिनांक : / / २० | | | | | | |

टीप: सोबत कार्यक्रमाचे GEO TAGGED फोटो व वर्तमानपत्रातील बातम्या जोडाव्यात

Dr. Tegs April PRINCIPAL
Late Ramesh Werpudkar (ACS)
College, Sonpeth Diet. Parbhani

